दृष्टि
The Vision

करेंट अफेयर्स मध्य प्रदेश

अगस्त 2021

(संग्रह)

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोनः 8750187501

ई-मेलः online@groupdrishti.com

अनुक्रम

मध्य प्रदेश **5**

- सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व को मिला ‘अर्थ नेटवेस्ट ग्रुप अर्थ हीरोज़ पुरस्कार’ 5
- ‘एरिया ऑफिसर ऐप’ एवं ‘मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप’ 6
- अति उच्चदाब विद्युत सब स्टेशन 6
- पन्ना टाइगर रिज़र्व (Panna Tiger Reserve) 6
- ‘प्राकृतिका’ टेरेस गार्डन (Prakritika' Terrace Garden) 7
- राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (National Youth Award) 7
- मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम (संशोधन) विधेयक, 2021 8
- गोबर धन योजना 8
- ‘क्रैडल ऑफ लीडरशिप’ (Cradle of Leadership) 9
- इंदौर: देश का पहला वाटर प्लस शहर (Indore: First Water Plus City of the Country) 9
- ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर (Olympic Hockey Player Vivek Sagar) 10
- गो-भैंस वंशीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम 10
- राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 11
- इंडिया स्मार्ट अवॉर्ड्स कांटेस्ट, 2020 (India Smart Cities Awards Contest, 2020) 11

नोट :

- राष्ट्रपति पुलिस पदक (President's Police Medal) 12
- तुलसी जयंती (Tulsi Jayanti) 12
- मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वार्षिक सम्मान समारोह 12
- राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार 14
- 'विज़न ज़ीरो मध्य प्रदेश' 14
- दस्तक अभियान 14
- अटल प्रोग्रेस-वे, भारतमाला फेज-1 में शामिल 15
- नई उड़ानों का शुभारंभ 15
- सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव और पारिस्थितिकी पर्यटन तथा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन विपणन अभियान के लिये पुरस्कार 16
- 10 ऑक्सीजन संयंत्रों का वर्चुअल लोकार्पण 17
- मध्य प्रदेश: एक दिन में सर्वाधिक टीके लगाने वाला देश का पहला राज्य 17
- एन.के.सी. सेंटर फॉर जीनोमिक्स रिसर्च 18
- जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने में मध्य प्रदेश प्रथम 18
- सर्वोच्च खेल अलंकरण पुरस्कार, 2020 18
- पीएम स्वनिधि योजना 19
- विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति पंचायतों का आयोजन पुन: प्रारंभ 20

दृष्टि The Vision

नोट :

दृष्टि The Vision

नोट :

मध्य प्रदेश

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व को मिला 'अर्थ नेटवेस्ट ग्रुप अर्थ हीरोज़ पुरस्कार'

चर्चा में क्यों?

28 जुलाई, 2021 को मध्य प्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व (Satpura Tiger Reserve) को सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन के लिये अर्थ गार्जियन श्रेणी में नेटवेस्ट ग्रुप अर्थ हीरोज़ (Earth Natwest Group Earth Heroes) पुरस्कार मिला।

- उल्लेखनीय है कि सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व को विश्व धरोहर की संभावित सूची में भी शामिल किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के विषय में
  - मध्यप्रदेश के होशंगाबाद ज़िले में स्थित सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व 2130 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह दक्कन बायो-जियोग्राफिक क्षेत्र का हिस्सा है।
  - इसे वर्ष 2000 में स्थापित किया गया था तथा यह नर्मदा नदी के दक्षिण में स्थित है।
  - सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व में तीन संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं:
    - सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान,
    - बोरी अभयारण्य, और
    - पचमढ़ी अभयारण्य।
- देनवा नदी:
  - देनवा नदी पार्क का मुख्य जल स्रोत है। यह मध्य प्रदेश में होशंगाबाद जिले के दक्षिण-पूर्वी भाग से निकलती है और रानीपुर के दक्षिण में तवा नदी में मिलने से पहले पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर बहती है।
- जैवविविधता:
  - जंतु: ये वन परिक्षेत्र बाघ सहित कई लुप्तप्राय प्रजातियों को आवास प्रदान करते हैं। यहाँ पाई जाने वाली अन्य प्रमुख प्रजातियों में ब्लैक बक, तेंदुआ, ढोल, भारतीय गौर, मालाबार विशालकाय गिलहरी, स्लॉथ बियर शामिल हैं।
    - देश के बाघों की संख्या का 17 प्रतिशत और बाघ आवास का 12 प्रतिशत क्षेत्र सतपुड़ा में ही आता है। यह देश का सर्वाधिक समृद्ध जैवविविधता वाला क्षेत्र है।
  - पक्षी: यहाँ पक्षियों की 300 से अधिक प्रजातियाँ देखी जा सकती हैं जिनमें मालाबार पाइड हॉर्नबिल, मालाबार व्हिसलिंग थ्रश और मध्य प्रदेश के राज्य पक्षी शाही पैराडाइज फ्लाईकैचर (स्थानीय नाम शाही बुलबुल/दूध राज) के साथ-साथ कई प्रवासी पक्षी जैसे इंडियन स्किमर, ब्लैक-बेल्लीड टर्न, बार-हेडेड गीज़ आदि शामिल हैं।
  - वनस्पति: हिमालय क्षेत्र की 26 और नीलगिरि वनों में पाई जाने वाली 42 वनस्पति प्रजातियाँ सतपुड़ा वन क्षेत्र में भी पाई जाती हैं। इसलिये विशाल पश्चिमी घाट की तरह इसे उत्तरी घाट का नाम भी दिया गया है।
    - सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व को भारत के मध्य क्षेत्र के ईको-सिस्टम की आत्मा कहा जाता है। यहाँ अकाई वट, जंगली चमेली जैसी वनस्पतियाँ हैं, जो अन्यत्र नहीं मिलतीं।
- पुरातात्विक महत्त्व: 1500 से 10,000 साल पुराने चित्रों के साथ 50 से अधिक शैलाश्रयों की उपस्थिति। उनमें से कुछ हाथी, शेर, बाघ, साही और पैंगोलिन के बहुत ही दुर्लभ चित्रण हैं।

'एरिया ऑफिसर ऐप' एवं 'मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप'

चर्चा में क्यों ?

- 30 जुलाई, 2021 को मध्य प्रदेश में मनरेगा योजना (MGNREGA scheme) के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये 2 नए मोबाइल ऐप 'एरिया ऑफिसर ऐप' एवं 'मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप' का उपयोग प्रारंभ किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इन ऐप के माध्यम से अधिकारियों द्वारा किये गए निरीक्षण और मज़दूर द्वारा की गई, मज़दूरी की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज़ की जाएगी।
- 'एरिया ऑफिसर ऐप' के माध्यम से राज्यस्तरीय, ज़िला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत तथा अन्य अधिकारियों द्वारा जाँच/भ्रमण के समय मनरेगा के कार्यों की गुणवत्ता तथा उपयोगिता पर टीप, कार्यस्थल से जियो टैग फोटो सहित अपलोड की जा सकेगी।
- इसी प्रकार मनरेगा के अंतर्गत कार्यों पर लगे मज़दूरों की उपस्थिति कागज पर दर्ज़ करने की बजाय 'मोबाइल मॉनिटरिंग सिस्टम ऐप' के माध्यम से ली जाएगी।
- कार्यस्थल से प्रति दिवस दर्ज मज़दूरों की उपस्थिति जियो टैग फोटोग्राफ के साथ नरेगा पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी, जिससे मनरेगा के कार्यों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनी रहेगी।

अति उच्चदाब विद्युत सब स्टेशन

चर्चा में क्यों ?

- 30 जुलाई, 2021 को मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने सिवनी ज़िले के तहसील मुख्यालय घंसौर में प्रदेश का 400वाँ अति उच्चदाब का सब स्टेशन ऊर्जीकृत किया है।

प्रमुख बिंदु

- मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने सिवनी ज़िले के घंसौर में अति उच्चदाब का एक नया 132 केवी सब स्टेशन स्थापित किया है। इसके अलावा प्रदेश में 400 केवी के 14 सब स्टेशन तथा 220 केवी के 84 सब स्टेशन क्रियाशील हैं।
- अति उच्चदाब सब स्टेशन के प्रारंभ हो जाने से आदिवासी क्षेत्र घंसौर में घने जंगलों और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बसे 350 गाँव के करीब 21 हज़ार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सतत् विद्युत प्रदान की जा सकेगी।
- सिवनी ज़िले में यह चौथा अति उच्चदाब का सब स्टेशन होगा। इसके पहले ज़िले को 220 केवी सब स्टेशन सिवनी, 132 केवी सब स्टेशन सिवनी तथा 132 केवी लखनादौन से विद्युत आपूर्ति की जाती थी।
- उल्लेखनीय है कि सिवनी ज़िले में सर्वप्रथम 132 केवी सब स्टेशन की स्थापना सिवनी में 3 फरवरी, 1975 को हुई थी।

पन्ना टाइगर रिज़र्व (Panna Tiger Reserve)

चर्चा में क्यों है ?

- 30 जुलाई, 2021 को पन्ना टाइगर रिज़र्व को बाघ संरक्षण और प्रबंधन के लिये स्थापित अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने के लिये राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority) द्वारा कंजर्वेशन एश्योर्ड टाइगर स्टैंडर्ड्स (Conservation Assured Tiger Standards (CAITS) certificate) प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना वर्ष 1981 में पन्ना और छतरपुर ज़िले में हुई थी। यह लगभग 543 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला है।

- वर्ष 1994 में केंद्र सरकार ने इस राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिज़र्व घोषित किया था।
- यूनेस्को ने पन्ना टाइगर रिज़र्व को 25 अगस्त, 2011 को बायोस्फीयर रिज़र्व के रूप में नामित किया था।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश न सिर्फ देश का; बल्कि विश्व का टाइगर कैपिटल माना जाता है। कान्हा और पेंच टाइगर रिज़र्व के प्रबंधन को देश में उत्कृष्ट माना गया है।

'प्राकृतिका' टेरेस गार्डन (Prakritika' Terrace Garden)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) और सामान्य प्रशासन राज्य मंत्री इंदर सिंह परमार ने वल्लभ भवन में टेरेस गार्डन 'प्राकृतिका' का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- 'प्राकृतिका' टेरेस गार्डन को मध्य प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान, भोपाल द्वारा ईको फ्रेंडली पद्धति से विकसित किया गया है। ईको फ्रेंडली सौंदर्यीकरण के लिये विभिन्न औषधीय, सुगंधित और वन प्रजातियों का चयन कर रोपण किया गया है।
- टेरेस गार्डन में आम, कचनार, मोगरा, अर्जुन, पीपल, बेलिया चमेली, सीता अशोक, हैंगिंग ग्रास, रुद्राक्ष, हर्रा, गूलर, शीशम, आँवला, गरूड़ आदि के पौधे रोपित किये गए हैं।
- इसमें सांस्कृतिक परिवेश की पृष्ठभूमि निर्मित करने के लिये मांडना और लाइन आर्ट द्वारा चित्रण किया गया है। टेरेस गार्डन के वातावरण को और अधिक सुंदर बनाने के लिये विभिन्न जगह पर हैंगिंग प्लांट्स भी लगाए गए हैं।
- वाल्मी संस्थान ने 'वाल्मी शीघ्र वन विकास पद्धति' (WALMI Early Forest Development Method) का उपयोग किया है। इस पद्धति में एक वर्ष में संस्थान द्वारा घने जंगल की गारंटी की अवधारणा एवं तकनीक का उपयोग कर कांक्रीट सतह पर प्राकृतिक हरियाली एवं सौंदर्यीकरण विकसित करने का कार्य किया गया है।
- यह तकनीक पूर्ण रुप से जैविक है, जिसमें एक मीटर गहराई के बेड को विभिन्न किस्म के कार्बनिक पदार्थों, जैसे- धान का भूसा, पेरा, गोबर की खाद, जीवामृत, घन जीवामृत, वर्मीकंपोस्ट इत्यादि को मिट्टी के साथ मिलाकर तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (National Youth Award)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में भारत सरकार द्वारा युवा गतिविधियों के लिये भोपाल के शुभम चौहान का 'राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2018-19' के लिये चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इन्हें 12 अगस्त, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (International Youth Day) के अवसर पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जायेगा।
- यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा युवाओं के राष्ट्र निर्माण के लिये उनकी उत्कृष्ट गतिविधियों के लिये प्रदान किया जाता है।
- शुभम चौहान ने जम्मू-कश्मीर में धारा-370 हटने के बाद, भारत सरकार द्वारा मार्च 2020 में जम्मू-कश्मीर में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में मध्य प्रदेश के दल का नेतृत्व किया था।
- इसी तरह इन्होंने मणिपुर-नगालैंड में आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम (Ek Bharat-Shreshtha Bharat Yojana) में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व भी किया था।

मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम (संशोधन) विधेयक, 2021

चर्चा में क्यों ?

- 3 अगस्त, 2021 को मध्य प्रदेश में आबकारी संबंधी अपराधों को हतोत्साहित करने की दृष्टि से विभिन्न प्रकार के अपराध पर अधिरोपित होने वाली शास्ति दण्ड तथा फाईन में वृद्धि करने के लिये मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम (संशोधन) विधेयक [Madhya Pradesh Excise Act (Amendment) Bill] , 2021 का अनुमोदन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इसमें मुख्यत: धारा 49 (A) के अंतर्गत जहरीली शराब से संबंधित अपराधों के लिये दंड का प्रावधान किया गया है।
- यदि जहरीली शराब के सेवन से किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है तो इस अपराध के लिये दोषी को आजीवन कारावास या मृत्युदंड और न्यूनतम 20 लाख रुपए तक का जुर्माना का प्रावधान किया गया है।
- संशोधन विधेयक में मानवीय उपयोग के लिये अनुपयुक्त अपमिश्रित मंदिरा सेवन से शारीरिक क्षति होने पर पहली बार में न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 8 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम 2 लाख रुपये तक का जुर्माना तथा दूसरी बार अपराध करने पर न्यूनतम 10 वर्ष और अधिकतम 14 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम 10 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है।
- इसी तरह मानवीय उपयोग के लिये अनुपयुक्त अपमिश्रित मदिरा मिलने पर पहली बार में न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 6 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम 1 लाख रुपए तक का जुर्माना तथा दूसरी बार अपराध करने पर न्यूनतम 6 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक का कारावास और न्यूनतम 5 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है।
- किसी आबकारी अधिकारी द्वारा किसी भी ऐसे व्यक्ति को जो अधिनियम के अंतर्गत कर्त्तव्य निष्पादन में बाधा डाले या हमला करे, उसे गिरफ्तार किया जा सकेगा।
- मध्य प्रदेश में महुआ आधारित शराब को मुख्य धारा में लाने के लिये उसे हैरिटेज (पारम्परिक) मदिरा का दर्जा दिये जाने का निर्णय लिया गया है। इससे नियंत्रित निर्माण एवं विक्रय के लिये विभाग द्वारा नियम निर्धारित किये जाएंगे। इससे महुआ से निर्मित मदिरा के लघु उद्योग प्रोत्साहित होंगे। अधिनियम में पहले से प्रावधानित आदिवासियों के अधिकार यथावत सुरक्षित रखे जायेंगे।

गोबर धन योजना

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (Panchayat and Rural Development Department) द्वारा राज्य में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 200 से अधिक छात्रों का मध्याह्न भोजन तैयार करने वाले 2549 स्कूलों में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत वर्ष 2021-22 में 9500 बायोगैस संयंत्र लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके तहत खाना पकाने के लिये पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के लिये आवश्यकता एवं माँग के अनुसार सामुदायिक, सामूहिक एवं व्यक्तिगत बायोगैस संयंत्र स्थापित किये जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण द्वितीय चरण के अंतर्गत स्वच्छता के लिये व्यापक पैमाने पर काम किया जा रहा है। खाना पकाने के लिये रसोई को भी स्वच्छ एवं धुआँरहित बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं।
- इसी क्रम में गैल्वनाइजिंग ऑर्गेनिक बायो एग्रो रिसोर्सेस (गोबर धन) परियोजना के तहत गैस संयंत्र निर्माण किया जा रहा है।
- कोविडबायो-19 महामारी के दौरान स्कूल बंद होने के कारण प्रत्येक ज़िले में कम-से-कम एक गोशाला में तथा 5 से 10 घरों के बीच 20 से 25 सामूहिक बायोगैस संयंत्र लगाने के प्रयास किये जा रहे हैं।
- बायोगैस संयंत्रों को बढ़ावा देने के लिये जन-भागीदारी एवं सामाजिक व्यवहार परिवर्तन हेतु भी प्रयास जारी है।
- इस कार्य में शासकीय एजेंसी के रूप में ऊर्जा विकास निगम तथा एमपी एग्रो से सहयोग लिया जा रहा है।

- बायोगैस संयंत्र के लिये ग्राम पंचायत स्थल चयन कर अनुशंसा सहित प्रस्ताव जनपद पंचायत को प्रेषित करेगी। जनपद से प्रस्ताव ज़िला पंचायत में पहुँचाए जाएंगे, जहाँ ज़िलास्तरीय तकनीकी समिति द्वारा परीक्षण उपरांत प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जाएगी।
- गौरतलब है कि 12 मई, 2018 को तत्कालीन केंद्रीय पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री उमा भारती और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन में गोबर धन योजना (GOBARdhan: Galvanizing Organic Bio Agro Resources) का शुभारंभ किया था।

'क्रैडल ऑफ लीडरशिप' (Cradle of Leadership)

चर्चा में क्यों ?

- 9 अगस्त, 2021 को भोपाल के शौर्य स्मारक में भारतीय सेना की वीरता को प्रदर्शित करने वाली फिल्म 'क्रैडल ऑफ लीडरशिप' का प्रदर्शन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- शौर्य स्मारक के ओपन-एयर ऑडिटोरियम में हर दिन आयोजित नियमित फिल्म स्क्रीनिंग के तहत फिल्म का प्रदर्शन किया गया।
- भारतीय फिल्म प्रभाग मुशीर अहमद द्वारा निर्मित और कृष्ण कुमार गर्ग द्वारा निर्देशित यह फिल्म राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में कैडेटों के जीवन के बारे में बताती है।
- इस फिल्म में भर्ती से लेकर प्रशिक्षण तक सभी गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया।
- गौरतलब है कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) भारतीय सशस्त्र बलों की संयुक्त सेवा अकादमी है, जहाँ तीनों सेनाओं, थल सेना, नौसेना और वायु सेना के कैडेट पूर्व-कमीशन प्रशिक्षण के लिये संबंधित सेवा अकादमियों में जाने से पहले एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं।
- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे महाराष्ट्र के पास खड़कवासला में स्थित है। यह दुनिया की पहली त्रि-अकादमी है।

इंदौर: देश का पहला वाटर प्लस शहर (Indore: First Water Plus City of the Country)

चर्चा में क्यों ?

- 11 अगस्त, 2021 को भारत सरकार द्वारा जारी स्वच्छ सर्वेक्षण, 2021 के परिणामों में देश में चार बार स्वच्छता में नंबर एक रहे इंदौर को देश का प्रथम 'वाटर प्लस शहर' घोषित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- स्वच्छ भारत अभियान में माइक्रो लेवल पर जाने के लिये मंत्रालय ने सफाई के साथ वाटर प्लस को शामिल किया है। इसका मुख्य उद्देश्य शहरों में जलाशयों, नदियों और तालाबों को साफ करना है, ताकि नदी-नालों में केवल साफ और बरसाती पानी ही बहे और सीवरेज के पानी का दोबारा उपयोग होता रहे।
- वाटर प्लस की चयन प्रक्रिया में देश के 84 शहरों ने आवेदन किये थे, जिनमें से सिर्फ 33 शहरों को ज़मीनी सत्यापन के लिये उचित पाया गया था।
- स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत देश के शहरों का विभिन्न स्वच्छता मानकों के आधार पर परीक्षण किया जाता है। इसमें ODF+, ODF++ and Water+ की श्रेणियाँ हैं।
- वाटर प्लस का प्रमाण-पत्र उन शहरों को दिया जाता है, जिन्होंने ओडीएफ डबल प्लस के सभी मानकों को पूर्ण किया हो। साथ ही, आवासीय और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले अवशिष्ठ मल-जल को उपचार के बाद ही पर्यावरण में छोड़ा जाता हो। ट्रीटेड वेस्ट-वाटर का पुन: उपयोग भी सुनिश्चित किया जाता हो।
- स्वच्छ सर्वेक्षण के वाटर प्लस प्रोटोकॉल के दिशानिर्देशों के अनुसार, इंदौर नगर निगम द्वारा 25 छोटे और बड़े नालों में, 1746 सार्वजनिक और 5624 घरेलू सीवरों का दोहन किया गया और शहर की कान्ह एवं सरस्वती नदियों को सीवर लाइन से मुक्त कराया गया।

नोट :

- गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 'स्वच्छ भारत मिशन' के हिस्से के रूप में देश भर के शहरों और कस्बों में साफ-सफाई एवं स्वच्छता का एक वार्षिक सर्वेक्षण है।

ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर (Olympic Hockey Player Vivek Sagar)

चर्चा में क्यों ?

- 12 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मिंटो हॉल, भोपाल में ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय हॉकी टीम के सदस्य विवेक सागर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के विरुद्ध गोल किया था, जिसके फलस्वरूप भारतीय टीम पहले क्वार्टर फाइनल और बाद में सेमीफाइनल में पहुँच सकी।
- मध्य प्रदेश शासन की ओर से विवेक सागर को डीएसपी का पद तथा एक करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसी सप्ताह टोक्यो ओलंपिक में गई भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों को मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से 31-31 लाख रुपए देने की घोषणा की थी। मध्य प्रदेश महिला हॉकी अकादमी में प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने टोक्यो ओलंपिक के पहले रियो ओलंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था।
- इस अवसर पर भारतीय हॉकी टीम के प्रशिक्षक अशोक कुमार, सहायक कोच शिवेंद्र सिंह को भी सम्मानित किया गया।
- गौरतलब है कि होशंगाबाद ज़िले के ग्राम शिवनगर चांदौन निवासी विवेक सागर ने वर्ष 2018 में फोर नेशंस टूर्नामेंट, कॉमनवेल्थ गेम्स, चैंपियन ट्राफी, यूथ ओलंपिक, न्यूज़ीलैंड टेस्ट सीरीज़, एशियन गेम्स तथा वर्ष 2019 में अजलान शाह हॉकी टूर्नामेंट, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज़ और फाइनल सीरीज़ भुवनेश्वर जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है।
- एशियाड 2018 में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाली भारतीय टीम में शामिल मिडफिल्डर हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर 62 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। विवेक सागर को वर्ष 2018 में मध्य प्रदेश शासन ने 'एकलव्य अवॉर्ड' से भी सम्मानित किया था।

गो-भैंस वंशीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम

चर्चा में क्यों ?

- 12 अगस्त, 2021 को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के दुसरे चरण में उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिये मध्य प्रदेश को देश में सर्वाधिक 63 करोड़ 43 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है।

प्रमुख बिंदु

- देश के 14 राज्यों के लिये स्वीकृत राशि में से मध्य प्रदेश को सर्वाधिक राशि राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के द्वितीय चरण में 50 हज़ार गो-भैंस वंशीय मादा पशुओं में लक्ष्य के विरुद्ध 17 लाख 55 हज़ार कृत्रिम गर्भाधान के कारण मिली है।
- उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम का द्वितीय चरण 1 अगस्त, 2020 से 31 जुलाई, 2021 तक प्रदेश के सभी ज़िलों में संपन्न हुआ। इसमें 500 गाँवों में 50 हज़ार गो-भैंस वंशीय पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य था।
- इस कार्यक्रम में राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम (NAIP-III) का तृतीय चरण प्रदेश के सभी ज़िलों में 1 अगस्त, 2021 से प्रारंभ होकर 31 मई, 2022 तक चलेगा, जो गाँव कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय चरण में वंचित रहे गए थे, उन्हें तृतीय चरण में कवर किया जाएगा।
- योजना का प्रथम चरण 15 सितंबर, 2019 से 31 मई, 2020 तक और द्वितीय चरण 1 अगस्त, 2020 से 31 जुलाई, 2021 तक क्रियान्वित किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में 8 लाख 10 हज़ार और द्वितीय चरण में 17 लाख 55 हज़ार कृत्रिम गर्भाधान 31 जुलाई, 2021 तक संपन्न हुए।
- तृतीय चरण में प्रदेश के सभी ज़िलों में 17 लाख 24 हज़ार पशुओं में (51.70 लाख) कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 12 अगस्त, 2021 को केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा पुरस्कार कार्यक्रम में रायसेन के शुभम चौहान और जबलपुर के हिमांशु कुमार गुप्ता को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- इस पुरस्कार में एक पदक, प्रमाण-पत्र और एक लाख रुपए की नकद राशि दी गई। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार वर्ष 2017-18 के लिये कुल 14 पुरस्कार और वर्ष 2018-19 के लिये 8 पुरस्कार दिये गए।
- जबलपुर के हिमांशु कुमार गुप्ता को वर्ष 2017-18 के लिये समुदाय के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं हेतु यह पुरस्कार से मिला है। इन्होंने महिला सशक्तीकरण से जुड़ी परियोजनाओं, दृष्टिबाधित लोगों के लिये पुस्तकों की वाइस रिकार्डिंग और इनसेक्ट प्रोसेसिंग के माध्यम से फूलों की रिसाइकिलिंग पर काम करने में उल्लेखनीय कार्य किया है।
- इनको न्यू इंडिया कॉन्क्लेव में ग्राम मित्र सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- रायसेन के शुभम चौहान को वर्ष 2018-19 के लिये समुदाय के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिये सम्मानित किया गया है। इन्होंने स्वच्छता अभियान, मतदान जागरूकता कार्यक्रम, पौधारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, ग्रामीण क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त कराना, युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम, महिला सशक्तीकरण आदि आयोजनों में नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया।
- इन पुरस्कारों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्रीय विकास और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिये प्रेरित करना और समुदायों के प्रति ज़िम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

इंडिया स्मार्ट अवॉर्ड्स कांटेस्ट, 2020 (India Smart Cities Awards Contest, 2020)

चर्चा में क्यों ?

- 13 अगस्त, 2021 को भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा घोषित इंडिया स्मार्ट अवॉर्ड्स कांटेस्ट, 2020 में इंदौर को ओवरऑल प्रथम स्थान, प्रदेश की 5 स्मार्ट सिटी को 11 अवॉर्ड और राज्यों की श्रेणी में मध्य प्रदेश को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- बिल्ट एनवायरनमेंट थीम: इंदौर को 56 दुकान प्रोजेक्ट के लिये प्रथम स्थान मिला।
- सेनिटेशन थीम: इंदौर को तिरुपति शहर के साथ म्युनिसिपल वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम थीम में प्रथम स्थान मिला।
- कल्चर थीम: इंदौर को कंजरवेशन ऑफ बिल्ट हेरिटेज के लिये प्रथम स्थान एवं ग्वालियर को डिजिटल म्यूजियम के लिये तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।
- इकॉनमी थीम: इंदौर को कार्बन क्रेडिट फाइनेंसिंग मैकेनिज्म के लिये प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- अर्बन एनवायरनमेंट थीम: भोपाल को चेन्नई के साथ क्लीन एनर्जी के लिये प्रथम स्थान मिला।
- इनोवेशन आइडिया अवॉर्ड थीम: इंदौर को कार्बन क्रेडिट फाइनेंसिंग मैकेनिज्म के लिये प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- राउंड वन सिटीज में इंदौर को प्रथम एवं जबलपुर को तृतीय स्थान तथा राउंड 3 सिटीज में सागर को द्वितीय स्थान मिला।
- गौरतलब है कि राज्य में स्मार्ट सिटी मिशन में 7 स्मार्ट सिटी में 6,566 करोड़ 70 लाख रुपए के 567 प्रोजेक्ट बनाए गए हैं। इनमें से 1,577 करोड़ रुपए के 273 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं।
- भोपाल में 939 करोड़ रुपए के 75, इंदौर में 942 करोड़ रुपए के 161, जबलपुर में 940 करोड़ रुपए के 99, ग्वालियर में 926 करोड़ रुपए के 49, उज्जैन में 940 करोड़ रुपए के 60, सागर में 964 करोड़ रुपए के 69 और सतना में 914 करोड़ रुपए के 54 प्रोजेक्ट बनाए गए हैं।

नोट :

राष्ट्रपति पुलिस पदक (President's Police Medal)

चर्चा में क्यों ?

- 15 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाल परेड ग्राउंड पर आयोजित 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मध्य प्रदेश के 59 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश के 9 अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्राप्त हुआ है। प्रियदर्शन श्रीवास्तव उपजेल अधीक्षक, भोपाल को राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक प्राप्त हुआ। इसके अलावा नगर सेना तथा नागरिक सुरक्षा के लिये राष्ट्रपति का विशिष्ट सेवा पदक विक्रम सिंह मालवीय ज़िला सेनानी शाजापुर, उमेश कुमार तिवारी कंपनी कमांडर नगर सेना भोपाल एवं इमदार अली, सहायक उपनिरीक्षक आगर-मालवा को मिला।
- इसके साथ ही राज्य के 35 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति का पुलिस पदक दिया गया तथा जेल विभाग के 11 एवं अन्य 4 पुलिसकर्मियों को सराहनीय सेवा पदक मिला।

तुलसी जयंती (Tulsi Jayanti)

चर्चा में क्यों ?

- 14-15 अगस्त, 2021 को मध्य प्रदेश के संस्कृति विभाग द्वारा तुलसी जयंती के अवसर पर भक्ति संगीत, नृत्य और संवाद पर केंद्रित दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम का आयोजन मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आदिवासी लोक कला एवं भाषा विकास अकादमी तुलसी शोध संस्थान-चित्रकूट में किया गया।
- इस कार्यक्रम की शुरुआत दीप्ति गेदम परमार एवं उनके समूह भोपाल के 'भक्ति संगीत' और आचार्य मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, इंदौर द्वारा हनुमान की भक्ति पर केंद्रित 'व्याख्यान' से हुई।
- दीप्ति ने संगीत में अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने पिता प्रकाश गेदम और शिक्षक इंदा गेदम से चार साल की उम्र से शुरू की थी। वर्तमान में वे प्रसिद्ध गायक ग्वालियर घराने के पं. सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट रसरंग से ख्याल गायन और ठुमरी, टप्पा, दादरा, चतुरंगा, त्रिवत में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।
- गौरतलब है कि दीप्ति ने 2007 में आयोजित 12वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव, पुणे में शास्त्रीय संगीत (हिंदुस्तानी गायन) में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। उन्होंने देश के कई प्रतिष्ठित मंचों में सफल प्रस्तुति दी। वर्तमान में वह आकाशवाणी दूरदर्शन भोपाल की 'बी' उच्च श्रेणी की कलाकार हैं।

मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वार्षिक सम्मान समारोह

चर्चा में क्यों ?

- 14 अगस्त, 2021 को मध्य प्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले साहित्यकारों को सम्मानित करने के लिये वार्षिक सम्मान समारोह, 2020 का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय सम्मान, 2020, प्रादेशिक सम्मान, 2020 और स्थानीय पुरस्कार, 2020 के तहत विभिन्न श्रेणियों में साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

- इसके साथ ही स्व. प्रभाकर श्रोत्रिय द्वारा लिखित पुस्तक भारतीय भाषाओं में महाभारत की कथा, शंकरशरण लाल बत्ता द्वारा लिखित बिखरे मोती और डॉ. मैथिली मिलिंद साठे द्वारा लिखित पुस्तक अर्घ्य का विमोचन भी किया गया।
- अखिल भारतीय सम्मान, 2020 निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किया गया-
  - श्री नरेश मेहता वांग्मय सम्मान : श्री जगराम सिंह, चंडीगढ़
  - श्री वीरेंद्र तिवारी स्मृति सम्मान : श्री हेमंत कुकरेती, दिल्ली
  - श्री शैलेश मटियानी स्मृति चित्र-कुमार : श्रीमती सुषमा मुनीन्द्र, सतना
  - श्री सुरेश शुक्ल 'चंद्र'नाट्य पुरस्कार कथा : श्री सत्येंद्र कुमार तनेजा, दिल्ली
  - पुरस्कार
  - श्री प्रभाकर श्रोत्रिय स्मृति आलोचना सम्मान : श्रीमती स्मृति शुक्ला, जबलपुर
- प्रादेशिक सम्मान, 2020 निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किया गया-
  - स्व. हजारीलाल जैन स्मृति वांग्मय पुरस्कार : श्री नारायण व्यास, भोपाल
  - अंबिका प्रसाद स्मृति दिव्य सम्मान : श्री घनश्याम मैथिल 'अमृत', भोपाल
  - श्री शंकर शरण लाल बत्ता पौराणिक : श्री लोकेंद्र सिंह 'कोट', बड़नगर
  - आख्यायिका पुरस्कार
  - सैय्यद अमीर अली मीर पुरस्कार : श्री संतोष सुपेकर, उज्जैन
  - श्री हरिहर निवास द्विवेदी स्मृति पुरस्कार : श्री संतोष मोहंती 'दीप', इंदौर
  - स्व. हुकमदेवी प्रकाशचंद्र कपूर स्मृति सम्मान : सुश्री सुमन ओबेराय, भोपाल
  - स्व. प्रकाशकुमारी हरकावत नारी लेखन सम्मान : डॉ. सुधा चौहान 'राज', इंदौर
  - श्री सतीश बालकृष्ण ओबेराय स्मृति : डॉ. मालती महावर बसंत, भोपाल

महिला पुरस्कार

  - श्रीमती संतोष बत्ता स्मृति स्त्री लेखन पुरस्कार : डॉ. लता अग्रवाल, भोपाल
  - स्व. रामेश्वर श्रीवास्तव स्मृति नवीन पुरस्कार : डॉ. मीनू पांडेय, भोपाल
  - श्रीमती रश्मि जोशी विशिष्ट हिन्दी सेवी सम्मान : श्री वीरेंद्र निर्झर, बुरहानपुर
  - श्रीमती सम्पत्तिदेवी विजयवर्गीय स्मृति महिला : सुश्री जनक पलटा मगिलिगन, इंदौर

कल्याण पुरस्कार

  - श्रीमती सुंदरबाई शंकरलाल तिवारी स्मृति : श्रीमती तृप्ति मिश्रा, महू
  - महिला समाजसेवी सम्मान
  - स्व. यशवंत अरगरे स्मृति सकारात्मक : श्री पंकज पाठक, भोपाल
  - पत्रकारिता पुरस्कार
  - स्व. यशवंत अरगरे स्मृति सकारात्मक : श्री आनंद सक्सेना, भोपाल
  - पत्रकारिता पुरस्कार
- स्थानीय पुरस्कार-2020 निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रदान किया गया-
  - श्रीमती रक्षा सिसोदिया शिक्षक सम्मान : श्रीमती नंदिता श्रीवास्तव, भोपाल
  - डॉ. अजय दुबे एवं डॉ. अनिमेष दुबे संगीत : कु. पियुष मलक, भोपाल
  - (गायन) पुरस्कार
  - डॉ. अजय दुबे एवं डॉ. अनिमेष दुबे संगीत : कु. प्रसून जैन, भोपाल
  - (वादन) पुरस्कार
  - सर्वश्रेष्ठ पाठक पुरस्कार : डॉ. मंजरी चतुर्वेदी, भोपाल

नोट :

राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

- 16 अगस्त, 2021 को राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार के लिये पारंपरिक बाग प्रिंट हस्तशिल्प कला में ठप्पा छपाई को नये आयाम देने वाले मध्य प्रदेश के धार ज़िले के छोटे से कस्बे बाग से एकमात्र युवा शिल्पी बिलाल खत्री का चयन हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रालय के हस्तशिल्प आयुक्त द्वारा गठित राष्ट्रीय चयन समिति ने राष्ट्रीय पुरस्कार, 2018 के लिये राज्य के युवा शिल्पकार बिलाल खत्री का चयन हैंड ब्लॉक प्रिंट बाँस चटाई के लिये किया है।
- उल्लेखनीय है कि युवा शिल्पकार बिलाल खत्री को वर्ष 2011 में राष्ट्रीय मेरिट हस्तशिल्प पुरस्कार एवं वर्ष 2018 में प्रथम विश्वकर्मा पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।
- शिल्पकार बिलाल खत्री ने राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये बाग प्रिंट ठप्पा छपाई में बाँस की चटाई प्रस्तुत की थी। इससे प्राकृतिक रंगों के समावेश के साथ-साथ ऐतिहासिक धरोहर ताजमहल और लाल किले के नमूने का प्रयोग किया गया था।
- शिल्पकार बिलाल खत्री विश्व के कई देशों में अपनी पुश्तैनी बाग प्रिंट ठप्पा छपाई का प्रदर्शन भी कर चुके हैं।
- हस्तशिल्प पुरस्कार नामशः शिल्प गुरु पुरस्कार, राष्ट्रीय पुरस्कार और राष्ट्रीय श्रेष्ठता प्रमाण-पत्र देश में हस्तशिल्प कारीगरों के लिये सर्वोच्च पुरस्कारों में से एक है। इसका उद्देश्य उत्कृष्ट कारीगरों को शिल्पकारिता में श्रेष्ठता बनाए रखने और हमारी सदियों पुरानी परंपरा को जीवंत रखने के लिये प्रोत्साहन हेतु पहचान प्रदान करना है।

'विज़न ज़ीरो मध्य प्रदेश'

चर्चा में क्यों ?

- 18 अगस्त, 2021 को मध्य प्रदेश परिवहन एवं राजस्व विभाग के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सड़क दुर्घटनाएँ रोकने और घायलों की जान बचाने के लिये सुरक्षित परिवहन प्रणाली पर आधारित 'विज़न ज़ीरो मध्य प्रदेश' योजना का वर्चुअल शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि सड़क दुर्घटनाओं में मध्य प्रदेश देश में दूसरे नंबर पर है। इसे ध्यान में रखते हुए पाँच स्तंभों पर आधारित 'विज़न ज़ीरो मध्य प्रदेश' योजना तैयार की गई है। इसमें सुरक्षित गति, सुरक्षित रोड, सुरक्षित वाहन, सुरक्षित चालक व्यवहार और दुर्घटना उपरांत सहायता शामिल हैं।
- परिवहन के साथ अन्य विभागों के सहयोग से एवं स्वयंसेवी संस्थाओं सहित संपूर्ण समाज की भागीदारी से 'विज़न ज़ीरो मध्य प्रदेश' को अमलीजामा पहनाया जाएगा।
- इस अवसर पर परिवहन मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिये सभी नागरिकों को अपनी ज़िम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।
- परिवहन आयुक्त मुकेश जैन ने कहा कि दुर्घटना के बाद घायल के लिये पहला घंटा काफी अहम होता है, यदि एक घंटे के भीतर घायल को अस्पताल पहुँचा दिया जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने में मदद करने वालों से अब कोई पूछताछ नहीं होती, अपितु उनका सम्मान किया जाता है।
- अपर परिवहन आयुक्त अरविंद सक्सेना ने सभी प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई।

दस्तक अभियान

चर्चा में क्यों ?

- 19 जुलाई, 2021 से 18 अगस्त, 2021 तक प्रदेश में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर और रुग्णता को दूर करने के लिये आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं का एक पैकेज देने के एक दृष्टिकोण के रूप में 'दस्तक अभियान' चलाया गया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस अभियान को न्यूट्रीशन इंटरनेशनल द्वारा समर्थित किया गया है, जो एक वैश्विक पोषण संगठन है तथा जरूरतमंद लोगों को कम लागत, उच्च प्रभाव वाले पोषण हस्तक्षेप प्रदान करने पर केंद्रित है।
- न्यूट्रीशन इंटरनेशनल सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री के नियोजन एवं रणनीति निर्माण, अभिविन्यास, निगरानी, समीक्षा और विकास में अभियान का समर्थन करता रहा है।
- राज्य के स्वास्थ्य और महिला एवं बाल विकास विभाग के नेतृत्त्व में दस्तक अभियान का उद्देश्य एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं सहित फ्रंटलाइन कार्यकर्त्ताओं की मदद से कुपोषित बच्चों की सक्रिय रूप से पहचान करना और उनका प्रबंधन करना तथा पाँच साल से कम उम्र के बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएँ प्रदान करना है।
- फ्रंटलाइन कार्यकर्त्ता पाँच साल तक के बच्चों वाले परिवारों की पहचान करने के लिये घर-घर दस्तक देते हैं और डायरिया, गंभीर एनीमिया, गंभीर तीव्र कुपोषण तथा कोविड-19 जैसी बीमारियों के लिये उनकी जाँच करते हैं।
- किसी भी प्रकार के कुपोषण या बीमारी का पता चलने पर उनके रेफरल और उपचार की व्यवस्था की जाती है। दस्तक अभियान के माध्यम से अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्त्ता एनीमिया की रोकथाम के लिये आयरन और फोलिक एसिड सिरप, डायरिया के प्रबंधन के लिये ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (ओआरएस) पैकेट और ज़िंक की गोलियाँ भी वितरित करते हैं तथा बच्चे को विटामिन ए की खुराक प्रदान करते हैं।

अटल प्रोग्रेस-वे, भारतमाला फेज-1 में शामिल

चर्चा में क्यों ?

- 19 अगस्त, 2021 को भारत सरकार के राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश की महत्त्वाकांक्षी अटल प्रोग्रेस-वे परियोजना को भारतमाला फेज-1 में शामिल करने की अधिसूचना जारी की।

प्रमुख बिंदु

- चंबल संभाग के भिंड, मुरैना तथा श्योपुर ज़िलों से होते हुए चंबल नदी के किनारे-किनारे यह पूर्णत: नया एक्सप्रेस-वे मध्य प्रदेश में 404 किलोमीटर लंबाई का होगा, जो पूर्व में झाँसी (उत्तर प्रदेश) से पश्चिम में कोटा (राजस्थान) को जोड़ते हुए निर्मित किया जाएगा।
- मुख्यमंत्री ने कहा है कि अटल प्रोग्रेस-वे ग्वालियर-चंबल संभाग के विकास की जीवनरेखा साबित होगा। इस 404 किलोमीटर लंबाई के एक्सप्रेस-वे के आस-पास इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा, जो क्षेत्र के आर्थिक विकास की महत्त्वपूर्ण कड़ी बनेगा।
- उल्लेखनीय है कि इस मार्ग के निर्माण से झाँसी (उत्तर प्रदेश) से कोटा (राजस्थान) का एक प्रमुख नया मार्ग जुड़ेगा, जो मध्य प्रदेश के 3 ज़िलों को लाभान्वित करेगा। इन दोनों बिंदुओं की दूरी में भी लगभग 50 किलोमीटर की बचत होगी। इस एक्सप्रेस-वे के बनने से आवागमन में लगने वाला 11 घंटे का समय घटकर 6 घंटे हो जाएगा।
- एक्सप्रेस-वे में लगने वाली समस्त भूमि राज्य शासन द्वारा अपने व्यय पर उपलब्ध कराई जा रही है। इस परियोजना पर लगभग 7000 करोड़ रुपए का व्यय संभावित है। इस एक्सप्रेस-वे को 7 विभिन्न पैकेजों के माध्यम से बनाए जाने की तैयारी है।
- इस परियोजना का निर्माण एन.एच.ए.आई. द्वारा किया जाएगा। अटल प्रोग्रेस-वे के लिये राज्य शासन द्वारा रिकॉर्ड 4 महीने में डीपीआर बनाकर भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया गया। लगभग 1500 हेक्टेयर शासकीय भूमि का हस्तांतरण भी रिकॉर्ड समय में पूर्ण कर राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्रालय (एन.एच.ए.आई.) को आधिपत्य दिया जा चुका है।

नई उड़ानों का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

- 20 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर से दिल्ली, इंदौर और मुंबई के लिये इंडिगो की नई उड़ानों का केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा शुभारंभ किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- 20 अगस्त से जबलपुर से मुंबई और दिल्ली की विमान सेवा आरंभ हुई तथा जबलपुर से हैदराबाद और इंदौर के लिये 28 अगस्त से विमान सुविधा उपलब्ध होगी। इसी प्रकार इंदौर से मुंबई और जबलपुर के लिये भी 28 अगस्त से विमान सेवा आरंभ होगी।
- इस दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबलपुर एयरपोर्ट का नाम 'रानी दुर्गावती' के नाम पर रखने का अनुरोध केंद्रीय मंत्री सिंधिया से किया।
- कुछ समय पहले मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों से प्रति सप्ताह 424 उड़ानें संचालित हो रही थीं, जो अब बढ़कर प्रति सप्ताह 588 हो गई हो गई हैं।
- जबलपुर में एयर कनेक्टिविटी बढ़ने से क्षेत्र का औद्योगिक व आर्थिक विकास होगा और पर्यटकों को भी सुविधा मिलेगी। जबलपुर के हवाई अड्डे के विस्तार के लिये राज्य शासन ने 730 एकड़ से अधिक भूमि हस्तांतरित की है।
- केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि जबलपुर में हवाई अड्डे के विस्तार के लिये 421 करोड़ रुपए की योजना स्वीकृत की गई है। टर्मिनल बिल्डिंग निर्माण एटीसी टावर और रनवे की लंबाई बढ़ाने का कार्य दिसंबर 2022 तक पूर्ण हो जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि उड़ान योजना में वर्ष 2025 तक 1000 एयर रूट प्रचलित करने और 100 हवाई अड्डे स्थापित करने की योजना है, जिनमें से 363 रूट और 59 हवाई अड्डे स्थापित किये जा चुके हैं।

सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव और पारिस्थितिकी पर्यटन तथा सर्वश्रेष्ठ पर्यटन विपणन अभियान के लिये पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

- 20 अगस्त, 2021 को मध्य प्रदेश पर्यटन को नई दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में आयोजित आईटीसीटीए बी2बी इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो एंड कॉन्क्लेव, 2021 के 7वें संस्करण में सर्वश्रेष्ठ वन्यजीव और पारिस्थितिकी पर्यटन राज्य और पर्यटन विपणन अभियान के लिये सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में सम्मानित किया गया।

प्रमुख बिंदु

- पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि प्रमुख सचिव पर्यटन एवं जनसंपर्क शिव शेखर शुक्ला ने पुरस्कार प्रदान किये और दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरुआत की।
- बेस्ट वाइल्ड लाइफ एंड इको टूरिज्म का अवॉर्ड डिप्टी डायरेक्टर, मध्य प्रदेश टूरिज्म युवराज पडोले ने और बेस्ट टूरिज्म मार्केटिंग कैंपेन का अवॉर्ड डिप्टी डायरेक्टर, मध्य प्रदेश टूरिज्म दीपिका रॉय चौधरी ने प्राप्त किया।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश समृद्ध वन्य जीवन से परिपूर्ण है। यहाँ 77 हज़ार 700 वर्ग किलोमीटर के वन क्षेत्र में, 11 राष्ट्रीय उद्यानों और 24 वन्यजीव अभयारण्यों के साथ कई वन्यजीव हॉट स्पॉट हैं।
- मध्य प्रदेश को 'टाइगर स्टेट' के साथ हाल ही में 'द लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का भी दर्जा मिला है, जो वन्य जीव संरक्षण के प्रयासों को दर्शाता है।
- राज्य पर्यटन को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिये, पर्यटन विभाग ने ओरछा सांस्कृतिक उत्सव, मांडू उत्सव, जल महोत्सव, गो हेरिटेज रन, साइकिल सफारी और एलीफेंट सफारी जैसे विभिन्न प्रचार कार्यक्रमों का आयोजन किया है। इसने बफर में सफर, इंतजार आपका, इंतजार खत्म हुआ, मानसून मैजिक, सब कुछ जो दिल चाहे आदि जैसे सोशल मीडिया कैंपेन का भी आयोजन किया है।
- इस कार्यक्रम में युवराज पडोले ने मध्य प्रदेश के पर्यटन आकर्षणों और वन्य जीव सफारी, साहसिक गतिविधियों, वाटर स्पोर्ट्स, रिस्पांसिबल टूरिज्म, वेलनेस और माइंडफुल टूरिज्म आदि पहलों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति भी दी।

10 ऑक्सीजन संयंत्रों का वर्चुअल लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

- 21 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के 10 अस्पतालों में साढ़े छह करोड़ रुपए की लागत के नव-स्थापित ऑक्सीजन संयंत्रों का वर्चुअली लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इन 10 ऑक्सीजन प्लांट की क्षमता 5500 एलपीएम (लीटर प्रति मिनिट) ऑक्सीजन उत्पादन की है। इन ऑक्सीजन प्लांटों के स्थापित होने से ऑक्सीजन में मध्य प्रदेश आत्मनिर्भर बन जाएगा।
- इन प्लांटों को सीहोर ज़िले में आष्टा और रेहटी, विदिशा ज़िले में विदिशा और सिरोंज, खरगौन ज़िले में खरगौन और बड़वाह, सागर ज़िले में खुरई के अलावा कटनी, टीकमगढ़ और नरसिंहपुर ज़िलों में स्थापित किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश में मार्च 2020 की स्थिति में किसी भी सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट नहीं था। प्रदेश में वर्तमान में 190 ऑक्सीजन संयंत्र लगाए जा रहे हैं। इनमें से अभी तक 68 प्लांट्स स्थापित और 65 प्लांट्स क्रियाशील किये जा चुके हैं। सितंबर माह तक शेष सभी प्लांट्स क्रियाशील हो जाएंगे।
- मध्य प्रदेश में लोकार्पित ऑक्सीजन प्लांट निम्नलिखित हैं-

लोकार्पित ऑक्सीजन प्लांट

स्वास्थ्य संस्था	उत्पादन क्षमता	स्वास्थ्य संस्था	उत्पादन क्षमता
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेहटी, ज़िला सीहोर	200 एलपीएम	ज़िला चिकित्सालय, खरगौन	250 एलपीएम
सिविल अस्पताल आष्टा, ज़िला सीहोर	300 एलपीएम	सिविल अस्पताल बड़वाह, ज़िला खरगौन	500 एलपीएम
ज़िला चिकित्सालय, विदिशा	1000 एलपीएम	ज़िला चिकित्सालय, टीकमगढ़	500 एलपीएम
सिविल अस्पताल सिरोंज, ज़िला विदिशा	250 एलपीएम	ज़िला चिकित्सालय, नरसिंहपुर	1000 एलपीएम
ज़िला चिकित्सालय, कटनी	1000 एलपीएम	सिविल अस्पताल खुरई, ज़िला सागर	500 एलपीएम

मध्य प्रदेशः एक दिन में सर्वाधिक टीके लगाने वाला देश का पहला राज्य

चर्चा में क्यों ?

- 25 से 26 अगस्त, 2021 तक मध्य प्रदेश में सभी ज़िलों में चलने वाले एक साथ टीकाकरण महाअभियान-2 के पहले दिन प्रदेश 23 लाख 86 हज़ार व्यक्तियों को वैक्सीन की डोज लगाकर एक दिन में सर्वाधिक वैक्सीनेशन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- ज्ञातव्य है कि 21 जून, 2021 को टीकाकरण महाअभियान-1 में मध्य प्रदेश में 18 लाख से अधिक वैक्सीन डोज दी गई थीं।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जवाहर चौक भोपाल स्थित जैन मंदिर में बनाए गए केंद्र में टीकाकरण महा-अभियान-2 का शुभारंभ किया।
- टीकाकरण महा-अभियान-2 के पहले दिन 21 लाख 30 हज़ार लोगों को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य रखा गया था। निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिये प्रदेश के 52 ज़िलों में 8 हज़ार से अधिक टीकाकरण केंद्र बनाए गए थे। निर्धारित लक्ष्य से लगभग 10 प्रतिशत अधिक की उपलब्धि हासिल कर मध्य प्रदेश ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा।
- टीकाकरण महा-अभियान में लक्षित समूह को वैक्सीन लगाने की सभी केंद्रों पर माकूल व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसके साथ ही विशेष रूप से बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिये स्थानीय प्रशासन द्वारा केंद्र पर लाने और ले जाने हेतु वाहन की व्यवस्था भी की गई।
- कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर को रोकने के लिये प्रदेश में बनाई गई ज़िला, ब्लॉक एवं ग्राम और वार्डस्तरीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों के सदस्यों ने भी महा-अभियान-2 में सक्रिय भूमिका निभाई। समिति के सदस्यों ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जन-जागरूकता का काम करते हुए टीकाकरण केंद्रों पर प्रेरक की भूमिका का निर्वहन भी किया।

नोट :

- महा-अभियान-2 के पहले दिन प्रदेश में सबसे अधिक वैक्सीन शिवपुरी ज़िले में लगाई गई। दूसरे स्थान पर मंदसौर और तीसरे स्थान पर सिवनी रहा।

एन.के.सी. सेंटर फॉर जीनोमिक्स रिसर्च

चर्चा में क्यों ?

- 26 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने न्यूक्लियोम इन्फॉर्मेटिक्स द्वारा हैदराबाद में स्थापित सेंटर का मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- न्यूक्लियोम इन्फॉर्मेटिक्स के प्रबंध संचालक दुष्यंत सिंह बघेल ने बताया कि संस्थान द्वारा इंदौर में एशिया की सबसे बड़ी जीनोमिक्स लैब 165 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित की जाएगी।
- उल्लेखनीय है कि एग्री जीनोमिक्स एक वैज्ञानिक क्षेत्र है, जो फसल सुधार में योगदान दे रहा है। इससे फसल में कीट प्रतिरोधक क्षमता, पौधों के स्ट्रेस टोलरेंस में सुधार कर बेहतर गुणवत्ता की फसलों का अधिक उत्पादन संभव होता है।
- न्यूक्लियोम इन्फॉर्मेटिक्स ने इस क्षेत्र में 2013 में अपनी यात्रा आरंभ की थी। संस्था द्वारा पशुओं की जीनोम सीक्वेंसिंग का भी कार्य किया जा रहा है। किसानों को अद्यतन वैज्ञानिक जानकारियाँ उपलब्ध कराने में 'नंदकुमार सिंह चौहान (एन.के.सी.) सेंटर फॉर जीनोमिक्स रिसर्च' मील का पत्थर साबित होगा।

जल परीक्षण प्रयोगशालाओं की मान्यता प्राप्त करने में मध्य प्रदेश प्रथम

चर्चा में क्यों ?

- 27 अगस्त, 2021 को जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिये राष्ट्रीय परीक्षण और अशंशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) से मान्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की प्रदेश में राज्य और ज़िलास्तरीय 51 प्रयोगशालाओं को प्रत्यायन बोर्ड (NABL) द्वारा मान्यता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गए हैं। देश की विभिन्न जल परीक्षण प्रयोगशालाओं हेतु मान्यता प्राप्त करने वाले राज्यों में मध्य प्रदेश प्रथम एवं महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है।
- आम नागरिक को प्रदाय किये जा रहे जल की गुणवत्ता का समय-समय पर परीक्षण किया जाता है। इसके लिये प्रदेश में पीएचई विभाग द्वारा एक राज्यस्तरीय और 55 ज़िलास्तरीय (इनमें उन्नयन की गई खुरई, मऊगंज, सरदारपुर तथा परासिया शामिल हैं) प्रयोगशालाएँ संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 100 उपखंडस्तरीय प्रयोगशालाएँ भी संचालित हैं।
- पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये विभिन्न राज्यों द्वारा अपनी जल परीक्षण प्रयोगशालाओं के प्रमाणीकरण हेतु निर्धारित मापदंडों और शुल्क के साथ आवेदन दिये जाते हैं।
- राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL) से अब तक 25 राज्यों की 182 जल परीक्षण प्रयोगशालाओं को जारी किये गए मान्यता प्रमाण-पत्रों में मध्य प्रदेश की सर्वाधिक 51 प्रयोगशालाएँ शामिल हैं।

सर्वोच्च खेल अलंकरण पुरस्कार, 2020

चर्चा में क्यों ?

- 28 अगस्त, 2021 को खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा मध्य प्रदेश के सर्वोच्च खेल पुरस्कारों के लिये गठित चयन समिति की अनुशंसा एवं प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री के अनुमोदन के बाद राज्यस्तरीय खेल पुरस्कारों की घोषणा की गई।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2020 के लिये राज्य शासन द्वारा 13 एकलव्य, 10 विक्रम, 3 विश्वामित्र, 1 स्व. प्रभाष जोशी और 1 लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार घोषित किये गए हैं।
- वर्ष 2020 के लिये लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार पद्मश्री अभय छजलानी को दिया जाएगा, वहीं प्रदेश के ओलंपिक हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर को राज्य के सर्वोत्तम विक्रम पुरस्कार से नवाजा जाएगा।
- वर्ष 2020 राज्यस्तरीय खेल पुरस्कारों के लिये घोषित व्यक्तियों की सूची इस प्रकार है-
    - एकलव्य पुरस्कार: व्यक्तिगत खेल में- सुषमा वर्मा, क्याकिंग-कैनोइंग (सीहोर), तुषिता सिंह, सॉफ्ट टेनिस (भोपाल), स्पर्श खरे, वूशु (जबलपुर), अर्जुन सिंह, घुड़सवारी (भोपाल), सुनील डावर, एथलेटिक्स (बड़वानी), गौरांशी शर्मा, बैडमिंटन (दिव्यांग) (भोपाल), राममिलन यादव, सेलिंग (टीकमगढ़), अंकित शर्मा, फेंसिंग (ग्वालियर), अनुराधा अहिरवार, तीरंदाजी (भोपाल), प्रीति रजक, शूटिंग (होशंगाबाद), शशांक पटेल, ताईक्वांडो (भोपाल)। दलीय खेल- साधना सेंगर, हॉकी (होशंगाबाद) एवं ध्रुवराज कुर्रे, पावर लिफ्टिंग (भोपाल)।
    - विक्रम पुरस्कार: व्यक्तिगत खेल में- विश्वजीत सिंह, कैनो-स्लॉलम (होशंगाबाद), सुनिधि चौहान, शूटिंग (भोपाल), निधि नन्हेट, कराटे (बालाघाट), परिधि जोशी, घुड़सवारी (इंदौर), मंजू बंबोरिया, बॉक्सिंग (उज्जैन), एकता यादव, सेलिंग (भोपाल)। दलीय खेल- विवेक सागर प्रसाद, हॉकी (होशंगाबाद), हर्षवर्धन तोमर, बास्केटबॉल (ग्वालियर), पूजा मालवीय, मल्लखम्ब (उज्जैन)। दिव्यांग श्रेणी में- प्राची यादव, पैरा कैनो (ग्वालियर) शामिल हैं।
    - विश्वामित्र पुरस्कार: व्यक्तिगत खेल- वीरेंद्र डबास, पैरा स्वीमिंग एवं पैरा एथलेटिक्स (ग्वालियर) एवं रिचपाल सिंह सलारिया, तीरंदाजी (जबलपुर)। दलीय खेल- डॉ. हबीब हसन शामिल हैं।
    - लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार: अभय छजलानी, पद्मश्री तथा पूर्व अध्यक्ष इंदौर टेबल टेनिस संघ।
    - स्व. प्रभाष जोशी खेल पुरस्कार: वैष्णवी कहार, मल्लखंब (उज्जैन)।

पीएम स्वनिधि योजना

चर्चा में क्यों?

- 29 अगस्त, 2021 को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बालाघाट में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में प्रथम एवं द्वितीय किश्त वितरण के राज्यस्तरीय कार्यक्रम में योजना के 50 हज़ार हितग्राहियों के खाते में 50 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की तथा स्वनिधि योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ भी किया।

प्रमुख बिंदु

- योजना के द्वितीय चरण में हितग्राहियों के खाते में ब्याज मुक्त 20-20 हज़ार रुपए की राशि अंतरित की गई।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वनिधि योजना से मिलने वाली सहायता राशि से छोटे व्यापारी धीरे-धीरे अपना काम बढ़ा सकते हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देशभर में प्रथम है।
- योजना के प्रारंभ में ही लगभग 3.50 लाख हितग्राहियों को 10-10 हज़ार रुपए की सहायता राशि वितरित की गई थी।
- योजना के द्वितीय चरण के शुभारंभ पर प्रदेश के लगभग 1000 हितग्राहियों को योजना की द्वितीय किश्त (20-20 हज़ार रुपए) प्रदान की गई।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि स्व-सहायता समूहों को कोविड संकट के पूर्व दी जाने वाली मदद को सरकार द्वारा पुन: प्रारंभ किया जाएगा, प्रदेश में वर्ष 2024 तक सभी गरीबों को पक्के मकान उपलब्ध करा दिये जाएंगे तथा 18 सितंबर, 2021 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के द्वितीय चरण में 5 लाख नए कनेक्शन दिये जाएंगे।

नोट :

विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति पंचायतों का आयोजन पुनः प्रारंभ

चर्चा में क्यों ?

- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर 31 अगस्त, 2021 को विमुक्त जाति दिवस (Vimukt Jati Diwas) पर मध्य प्रदेश में विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति (Denotified, Nomadic and Semi-nomadic tribes) की विशेष पंचायत आयोजित की गई।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के विभिन्न वर्गों के साथ संवाद स्थापित कर उनके विचारों और सुझावों के आधार पर कल्याणकारी कार्यक्रम और योजनाओं का निर्माण एवं क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ की है।
- इसका मुख्य उद्देश्य संबंधित वर्ग को अधिकाधिक लाभ मुहैया कराते हुए विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है। इसी क्रम में विभिन्न वर्गों की पंचायत का आयोजन पुन: शुरू कर विमुक्त, घुमक्कड़ और अर्द्धघुमक्कड़ वर्ग की पंचायत आयोजित की गई।
- उल्लेखनीय है कि भारत के हृदय प्रदेश में विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजातियों के विकास तथा कल्याण हेतु मध्य प्रदेश शासन की अधिसूचना 22 जून, 2011 द्वारा पृथक् 'विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजाति कल्याण विभाग' (Denotified, Nomadic and Semi-nomadic Tribes Welfare Department) का गठन किया गया था।
- मध्य प्रदेश की 51 जातियों को विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्द्धघुमक्कड़ जनजातियों में सम्मिलित किया गया है। इन जनजातियों की प्रमुख समस्या शैक्षणिक पिछड़ापन, आर्थिक रूप से विपन्नता एवं घुमक्कड़ प्रवृत्ति होने के कारण स्थायी आवास न होना है।
- इन जनजातियों की उपरोक्त समस्याओं को दूर करने के लिये इन्हें एक स्थान पर आवासीय सुविधा देने हेतु प्रधानमंत्री आवास योजना कें अंतर्गत प्रति हितग्राही 1.50 लाख रुपए तक का अनुदान दिया जाता है।